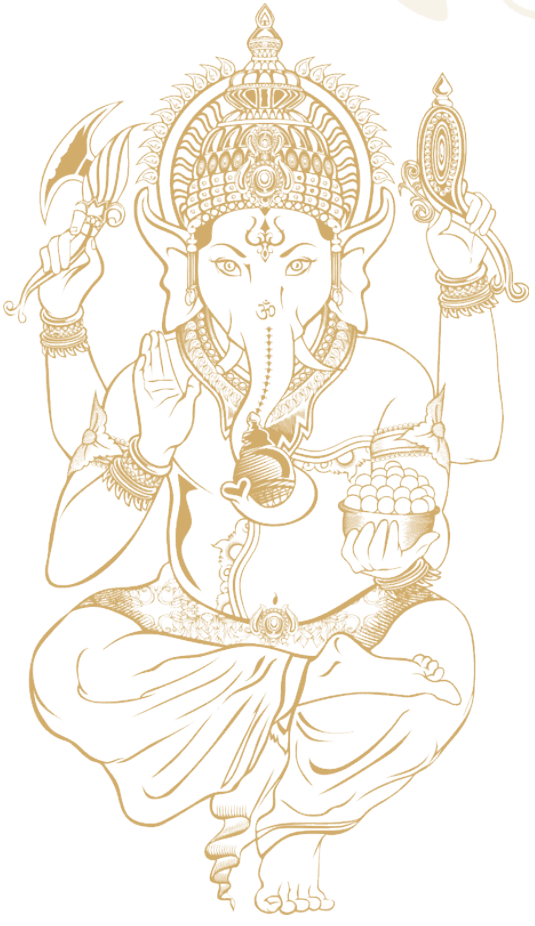

Ronal pegu

03 Feb 2002

11:00 PM

Itanagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121517402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/02/2002**
दिन	रविवार
जन्म समय	**23:00:00 घंटे**
इष्ट	42:18:48 घटी
स्थान	**Itanagar**
राज्य	Arunachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:02:00 उत्तर
रेखांश	93:38:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:44:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:44:32 घंटे
वेलान्तर	-00:13:49 घंटे
साम्पातिक काल	08:39:25 घंटे
सूर्योदय	06:04:28 घंटे
सूर्यास्त	16:58:18 घंटे
दिनमान	10:53:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	20:49:35 मकर
लग्न के अंश	11:20:56 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	गण्ड
करण	बव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रे-रेवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	11:20:56	313:57:26	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			मक	20:49:35	01:00:51	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	10:09:15	13:57:00	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल			मीन	17:34:09	00:43:21	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
बुध	व		मक	06:24:38	00:40:51	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	12:50:10	00:04:57	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	25:40:46	01:15:17	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	मित्र राशि
शनि	व		वृष	14:10:02	00:00:30	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	02:05:04	00:01:30	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	02:05:04	00:01:30	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	उच्च राशि
हर्ष			कुंभ	00:21:41	00:03:26	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:48:45	00:02:16	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	23:11:19	00:01:27	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	13:33:44	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:55

लग्न-चलित

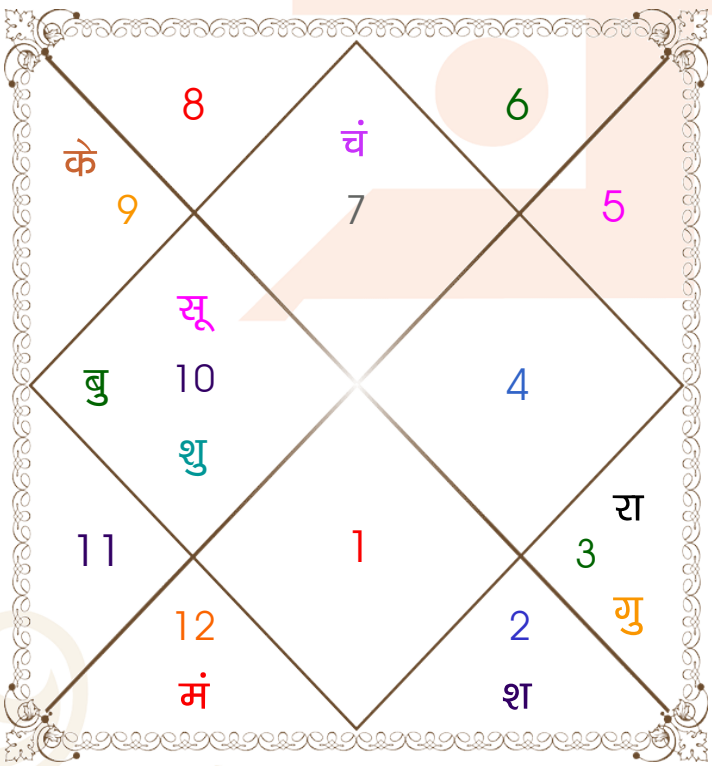

चन्द्र कुंडली

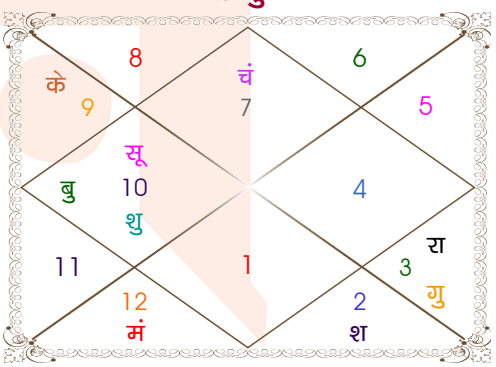

नवमांश कुंडली

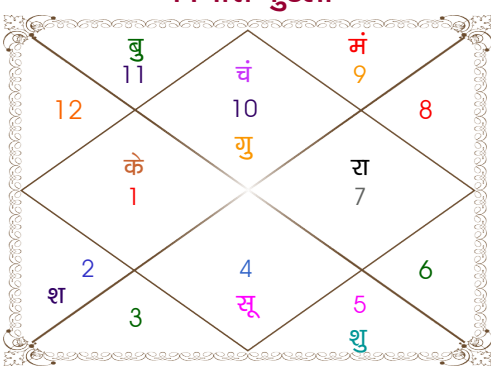

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 13 वर्ष 3 मास 15 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
03/02/2002		21/05/2015		21/05/2031		21/05/2050		21/05/2067	
21/05/2015		21/05/2031		21/05/2050		21/05/2067		21/05/2074	
	03/02/2002	गुरु	09/07/2017	शनि	24/05/2034	बुध	17/10/2052	केतु	17/10/2067
गुरु	27/06/2002	शनि	20/01/2020	बुध	31/01/2037	केतु	14/10/2053	शुक्र	17/12/2068
शनि	03/05/2005	बुध	27/04/2022	केतु	12/03/2038	शुक्र	14/08/2056	सूर्य	23/04/2069
बुध	20/11/2007	केतु	03/04/2023	शुक्र	12/05/2041	सूर्य	20/06/2057	चंद्र	22/11/2069
केतु	07/12/2008	शुक्र	02/12/2025	सूर्य	24/04/2042	चंद्र	20/11/2058	मंगल	21/04/2070
शुक्र	08/12/2011	सूर्य	20/09/2026	चंद्र	23/11/2043	मंगल	17/11/2059	राहु	09/05/2071
सूर्य	01/11/2012	चंद्र	20/01/2028	मंगल	01/01/2045	राहु	05/06/2062	गुरु	14/04/2072
चंद्र	03/05/2014	मंगल	26/12/2028	राहु	08/11/2047	गुरु	10/09/2064	शनि	24/05/2073
मंगल	21/05/2015	राहु	21/05/2031	गुरु	21/05/2050	शनि	21/05/2067	बुध	21/05/2074

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
21/05/2074		21/05/2094		22/05/2100		22/05/2110		22/05/2117	
21/05/2094		22/05/2100		22/05/2110		22/05/2117		00/00/0000	
शुक्र	20/09/2077	सूर्य	08/09/2094	चंद्र	22/03/2101	मंगल	18/10/2110	राहु	02/02/2120
सूर्य	20/09/2078	चंद्र	09/03/2095	मंगल	21/10/2101	राहु	06/11/2111	गुरु	04/02/2122
चंद्र	21/05/2080	मंगल	15/07/2095	राहु	22/04/2103	गुरु	12/10/2112		00/00/0000
मंगल	21/07/2081	राहु	08/06/2096	गुरु	21/08/2104	शनि	20/11/2113		00/00/0000
राहु	20/07/2084	गुरु	27/03/2097	शनि	22/03/2106	बुध	18/11/2114		00/00/0000
गुरु	21/03/2087	शनि	09/03/2098	बुध	22/08/2107	केतु	16/04/2115		00/00/0000
शनि	21/05/2090	बुध	13/01/2099	केतु	22/03/2108	शुक्र	15/06/2116		00/00/0000
बुध	21/03/2093	केतु	21/05/2099	शुक्र	20/11/2109	सूर्य	21/10/2116		00/00/0000
केतु	21/05/2094	शुक्र	22/05/2100	सूर्य	22/05/2110	चंद्र	22/05/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 13 वर्ष 4 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।